शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

12 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 157
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दस करोड़ की ड्रग्स सहित महिला गिरफ्तार

उत्तराखण्ड में नशे के खिलाफ सबसे बड़ी कार्यवाही

हमारे संवाददाता

चम्पावत। उत्तराखण्ड में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बडी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक महिला को 5 किलो 688 ग्राम एमडीएमए जिसे एमडी नाम से भी जाना जाता है, ड्रग्स सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र के ठाणे, मुंबई पुलिस द्वारा पिथौरागढ़ में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत की गई कार्यवाही में आईजी कुमाऊं, रिद्धिम अग्रवाल द्वारा नेपाल सीमा पर सख्त निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त कार्यवाही के परिप्रेक्ष्य में, पुलिस महानिरीक्षक (कुमाऊं) द्वारा कुमाऊँ रेंज के समस्त पुलिस अधीक्षकों को नशे के तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था। उक्त आदेश निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक चंपावत, अजय गणपति व पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, रेखा यादव के कुशल निर्देशन में दोनों जनपदों की संयुक्त टीमों द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध सूचना संकलन ,सर्विलांस निगरानी, प्रभावी व कुशल सुरागरसी पतारसी कर संदिग्धों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही थी तथा सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा रहा था।

आज वन्दना वर्मा पुलिस उपाधीक्षक टनकपुर के पर्यवेक्षण, एसओजी प्रभारी लक्ष्मण सिंह जगवाण, एसओ सुरेंद्र सिंह कोरंगा, के नेतृत्व में 14 सदस्यीय पुलिस टीम ने नेपाल सीमा के निकट शारदा नहर (गढ़ीगोठ पुल, पम्पापुर) क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक महिला ईशा पत्नी राहुल कुमार निवासी ग्राम पम्पापुर, थाना-बनबसा, जनपद-चम्पावत को काला पिट्ठू बैग लेकर नहर की ओर भागते देखा। संदिग्ध प्रतीत होने पर उक्त महिला को रोका गया तथा वन्दना वर्मा पुलिस उपाधीक्षक टनकपुर जनपद चम्पावत की उपस्थिति में महिला के बैग की तलाशी ली गयी तो उसमें 5 किलो 688 ग्राम एमडीएमए (मेथाएमफेटामाइन) ड्रग्स जिसे एमडीए नाम से भी जाना जाता है बरामद कर महिला को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार महिला ने स्वीकार किया कि बैग में एमडीएमए ड्रग्स, मिथाइलीनडिऑक्सीमेथाम्फेटामाइन हैं, जो उसके पति राहुल कुमार व उनके सहयोगी कुनाल कोहली (टनकपुर निवासी) द्वारा 27 जून 2025 को पिथौरागढ़ से लाकर दिए गए थे । जो वर्तमान में ठाणे मुम्बई में दर्ज मुकदमें में फरार चल रहे है।

वर्तमान में पुलिस की सक्रियता को देखते हुए पति के कहने पर आज बरामद माल को शारदा नहर में फेंकने जा रही थी। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ 23 लाख चौरासी हजार रूपये बतायी जा रही है।

धामी को ईश्वर व भाजपा नेतृत्व पर भरोसा

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बारे में एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह ईश्वर पर भरोसा करने वाले व्यक्ति हैं अफवाहों पर नहीं। उन्हें ईश्वर और अपनी पार्टी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। वह लोगों की बातों में ध्यान नहीं देते हैं और अपना काम करते रहने में विश्वास करते हैं।

अपने कार्यकाल के 4 साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आदमी के काम करने के लिए एक दिन भी बहुत होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ की भूमि से कहा था कि वर्तमान दशक उत्तराखंड के विकास का दशक होगा।

●विकसित राज्य, विकल्प रहित संकल्प
●भगवा वेश में बहुरुपिये नहीं बर्दाश्त

हम अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए काम कर रहे हैं। हमारा यह विकल्प रहित संकल्प है कि उत्तराखंड को इस दशक में देश का विकसित राज्य बनाना है।

मुख्यमंत्री से उनके कालनेमि अभियान के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है तथा पूरे साल यहां सनातनी धार्मिक गतिविधियां जारी रहती है। उत्तराखंड में भगवा वेश धारण कर सनातनी परंपराओं के खिलाफ काम करने वाले बहुरूपियों को कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोगों को भ्रमित कर उन्हें ठग लेते हैं हमने ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान छेड़ा है कल 25 लोग पकड़े गए थे आज भी बड़ी संख्या में फर्जी भगवाधारी पकड़ने की खबर है। उन्होंने कहा कि साधु संतों का भी हमें इसमें समर्थन मिल रहा है। जब उनसे पूछा गया कि यह किसी धर्म विशेष के खिलाफ कार्यवाही तो नहीं है इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य और आम जनता के हित में ही उनकी प्राथमिकता होती है किसी को यहां टारगेट नहीं करना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसे सख्त कदम किसी सरकार ने नहीं उठाये। लोग कहते हैं छोटी मछलियां पकड़ी जाती है लेकिन अब मगरमच्छ भी बख्शे नहीं जा रहे हैं। मानसूनी आपदा के बीच गैरसैंण में सत्र आयोजन पर उनका कहना था कि मानसून काल में सब काम चलते रहते हैं चार धाम यात्रा चल रही है सत्र भी चलेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

छोटी सरकार बड़ी उलझने

उत्तराखंड में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर सत्ता पक्ष कितना गंभीर है इस बात को सभी जानते हैं। चुनाव के समय पर न होना तथा पंचायत को प्रशासकों के हवाले किया जाना और आरक्षण रोटेशन से जुड़ी समस्याओं का अनसुलझा रहने से अब मानसूनी आपदा काल में इन चुनावों को कराया जाना सरकार द्वारा सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता को बताने के लिए काफी है। राज्य में पंचायती चुनाव को लेकर भले ही चुनावी प्रक्रिया गतिमान हो और नामांकन और नाम वापसी तक पहुंच चुका हो लेकिन पंचायत चुनाव अभी भी होंगे या नहीं होंगे यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। एक ओर इन चुनावों को राज्य की विषम परिस्थितियों और मानसूनी आपदा का हवाला देकर सामाजिक कार्यकर्ता तथा कुछ आरटीआई एक्टिविस्ट हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बिना जांच के अपने नामांकन पत्रों का खारिज किये जाने की शिकायत को लेकर प्रत्याशियों के द्वारा भी हाईकोर्ट में आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं। बीते कल तक ऐसे कई लोग हाई कोर्ट पहुंच चुके हैं जिन्होंने अपने रिटर्निंग अधिकारी द्वारा बिना जांच नामांकन पत्र को खारिज करने के आरोप लगाए गए हैं यह सिलसिला अभी जारी है। जो मामले हाईकोर्ट में पहुंच रहे हैं उन्हें आप निराधार भी नहीं ठहरा सकते हैं। जब स्थिति इस तरह की हो कि किसी ग्राम पंचायत में जिस वर्ग की सीट आरक्षित की गई हो और उसे वर्ग का कोई प्रत्याशी न हो जिसके कारण नामांकन भरा ही न जाए तो इसे क्या कहा जा सकता है। उत्तराखंड के पंचायत चुनाव में एक नहीं अनेक क्षेत्रों से तमाम तरह की शिकायतें मिली है जिनका निराकरण अब ऐसे समय में किया जाना संभव नहीं है जबकि 24 व 28 जुलाई को मतदान होना है। सही मायने में इन चुनावों को लेकर तमाम उलझने और समस्याओं के कारण मतदाताओं में भी उत्साह नहीं दिख रहा है लोगों का मानना है कि इस तरह से चुनाव कराने से तो बेहतर यही होता कि एक बार सरकार प्रशासकों का कार्यकाल और बढ़ा देती। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कावड़ यात्रा और चार धाम यात्रा तथा राज्य में भयंकर मानसूनी बारिश के कारण पूरे राज्य में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है राज्य की छोटी बड़ी 180 से भी अधिक सड़के भूस्खलन के कारण बंद पड़ी है बादल फटने की घटनाओं ने बहुत सारे क्षेत्र में तबाही की स्थिति पैदा कर रखी है। शासन प्रशासन इस आपदा काल में कावड़ यात्रा तथा आपदा प्रबंधन में जुटा है। इन चुनावों को किस तरह से सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सकेगा? तथा राज्य के `कितने मतदाताओं द्वारा अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल किया जा सकेगा यह समय ही बताया। लेकिन दूसरी तरफ इस चुनाव में कुछ पढ़े लिखे युवाओं और सेवानिवृत कर्नल तथा आईजी जैसे लोगों द्वारा गांव की छोटी सरकार को चलाने के लिए आगे आना कुछ सुखद भविष्य के संकेत भी देता है। अब देखना यह होगा कि हाई कोर्ट द्वारा इस चुनाव को निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप ही करने का फैसला लिया जाता है या एक बार फिर यह चुनाव पूर्व की तरह स्थगित कर दिया जाता है जैसे कि अभी किया गया जिसके कारण चुनाव आयोग को इसके लिए दोबारा से नई अधिसूचना जारी करनी पड़ी थी।

बलिदान दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। बटालियन विन्ड्रोरिया क्रॉस द्वारा बलिदान दिवस पर शहीदों को श्रद्धाजलि दी।

आज यहां बटालियन विन्ड्रोरिया क्रॉस द्वारा नया गांव ऑल इण्डिया गोर्खा एक्स सर्विस मैन एसोसिएसन के प्रागंण में बलिदान दिवस मनाया गया। कैप्टन विष्णु बहादुर की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि बिग्रेडियर डीएस रावत नें कहा कि गोरखा समाज का मातृभूमि की रक्षा में अहम योगदान रहा है। गोरखा रेजीमेंट के जवानों ने हर युद्ध में हर मोर्चे पर अपनी बहादुरी का परिचय दिया। गोरखा समाज सीमाओं की रक्षा के साथ राज्य के विकास में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार गोरखा समाज के विकास, कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस दौरान पूर्व सैनिकों ने बटालियन के गौरवशाली इतिहास एवं युद्ध क्षेत्र में किए गए योगदान व पुरानी यादों को एक-दूसरे के साथ साझा किया तो पूर्व सैनिक जोश से भर गए। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही वीर नारियों को सम्मानित भी किया गया।

हरीपुर नवादा में पानी की निकासी न होने से जनता परेशान

संवाददाता

देहरादून। उम्मेद सिंह बिष्ट ने कहा कि हरीपुर नवादा में पानी की निकासी ना होने पर जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है।

आज यहां स्थानीय निवासी उम्मेद सिंह बिष्ट (विनोद) का कहना है हरीपुर नवादा गोरखा चौक में काफी लंबे समय से जानता परेशान है। पानी की निकासी नहीं होने से लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। सुबह स्कूल जाने में बच्चों को हो रही है परेशानी यहां से हरीपुर नवादा बद्रीपुर जोगीवाला माधुरी माफी मोकमपुर के तमाम जनता गुजरती है। उन्होंने बताया कि इसमें अभी तक कोई सुध नहीं ले रहा है कभी भी कोई भी बड़ी घटना हो सकती है।

गुमशुदा दो नाबालिग किशोरियों को 24 घंटे में किया सकुशल बरामद

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने गुमशुदा दो नाबालिग किशोरियों को 24 घंटे में रोशनाबाद से सकुशल बरामद किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रमा (काल्पनिक) निवासी ढालवाला थाना मुनि की रेती जनपद टिहरी गढ़वाल ने थाना मुनि की रेती पर उपस्थित आकर तहरीर दी कि उसकी छोटी बहन डॉली (काल्पनिक)उम्र 17 वर्ष 07 जुलाई 2025 की सुबह समय 11 बजे घर में यह बातकर गई थी कि वह अपनी फ्रेंड नेहा (काल्पनिक) निवासी गंगानगर ऋषिकेश के बर्थडे में उसके घर गंगानगर जा रही हूं किंतु उसके बाद वह घर वापस नहीं आई। लगातार तलाश करने के बाद भी कोई जानकारी न होने व आज तक घर वापस न आने के संबंध में थाना मुनि की रेती में मुकदमा दर्ज किया गया। नाबालिक लड़की संबंधित गंभीर प्रवृत्ति का अपराध होने के कारण एसएसपी टिहरी आयुष अग्रवाल द्वारा मुनि की रेती पुलिस को तत्काल मुकदमा पंजीकृत करने के पश्चात कार्यवाही करने के आदेश दिए गए। अपहर्ता के मोबाइल नंबर से लोकेशन ट्रेस करते हुए दोनों गुमशादाओं को थाना सिडकुल क्षेत्रांतर्गत रोशनाबाद से सकुशल बरामद किया गया है। गुमशुदा द्वारा अपने बयान में स्वयं के साथ किसी भी अनहोनी घटना होने से इंकार किया गया है। जानकारी करने पर एक नाबालिग की गुमशुदगी बाबत कोतवाली ऋषिकेश में गुमशुदगी क्रमांक 65/ 2025 पूर्व में पंजीकृत होने पर उक्त गुमशुदगी के जांच अधिकारी को बरामदगी के बारे में सूचित किया गया है। मुकदमा उपरोक्त की जांच में कल अपहृत को बयान के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा। मुकदमा उपरोक्त में अग्रिम कार्रवाई न्यायालय के आदेशानुसार अमल में लाई जायेगी।

शिव भक्त को भरत घाट पर जल पुलिस ने डूबने से बचाया

संवाददाता

टिहरी। भरत घाट पर नहाते समय बहे शिव भक्त को पुलिस ने रेस्क्यू कर सकुशल बचा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 शिव भक्तो का समूह जानकी सेतु घाट मुनि की रेती पर गंगा स्नान कर रहा था। यह समूह पंचकुला सैक्टर 26 हरियाणा से आया था। गंगा स्नान करने के दौरान गंगा नदी के तेज बहाव में इनमें से एक शिव भक्त आ गया जिसे काफी मशक्कत के बाद भरत घाट पर लाइव बॉय थ्रो बैग की सहायता से सकुशल रेस्क्यू किया गया। घाट पर सभी शिव भक्तों के द्वारा पुलिस टीम का धन्यवाद किया गया। रेस्क्यू किये गए शिव भक्त ने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र सुरेश कुमार बताया।

महिला की हत्या में एक ही परिवार के पांच लोग नामजद

संवाददाता

देहरादून। महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने एक ही परिवार के पांच लोगों को नामजद कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिपरपुर सभावाला निवासी धनवीर ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले बसंत कुमार, उसकी पत्नी सरिता देवी, व उसकी बेटियों लक्ष्मी, राजकुमारी, व रेशमा ने उसकी मां के साथ मारपीट कर उनको गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जब उनको अस्पताल ले जाया गया तो वहां पर चिकित्सकों ने उसकी मां को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिस ब्यूटीफुल आईज सब-कॉन्टेस्ट का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। लक्जरी राइड के शोरूम में मिस उत्तराखंड-2025 के सब कॉन्टेस्ट मिस बॉडी ब्यूटीफुल और मिस ब्यूटीफुल आईज का आयोजन किया गया।

आज यहां सिनमिट कम्युनिकेशंस की ओर से मोहब्बेवाला स्थित लक्जरी राइड के शोरूम में मिस उत्तराखंड-2025 के सब कॉन्टेस्ट मिस बॉडी ब्यूटीफुल और मिस ब्यूटीफुल आईज का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी बॉडी और आंखों को खूबसूरत रखने के लिए किए जाने वाले उपाय बताए। सिनमिट कम्युनिकेशंस की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी मिस उत्तराखंड-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर शनिवार को मोहब्बेवाला स्थित लक्जरी राइड शो रूम में सब कॉन्टेस्ट आयोजित हुए। जिसमें देहरादून सहित, हरिद्वार, ऋषिकेश, उत्तरकाशी, नैनीताल, रुद्रपुर, पिथौरागढ़, चमोली, बागेश्वर, खटीमा आदि जगहों की युवतियों ने हिस्सा लिया।इस दौरान उन्होंने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। इस मौके पर सिनमिट कम्युनिकेशंस के डायरेक्टर दलीप सिंध ी ने बताया कि जुलाई माह में ही मिस उत्तराखंड के ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। उन्होंने ये भी बताया कि पहली बार मिस उत्तराखंड की विनर को फेमिना मिस इंडिया उत्तराखंड में डायरेक्ट एंट्री का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि ग्रैंड फिनाले का आयोजन हयात सेंट्रिक में किया जाएगा।

दुनिया की 5 सबसे सुंदर तितलियां, जिनका है अनोखा रंग और डिजाइन

तितलियां अपनी सुंदरता और आकर्षण के लिए जानी जाती हैं। उनके रंग-बिरंगे पंख और अनोखे डिजाइन उन्हें खास बनाते हैं। दुनिया में कई तरह की तितलियां पाई जाती हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं, जो अपने अनोखे रंग और डिजाइन के कारण बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। इन तितलियों की सुंदरता देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो सकता है। आइए आज कुछ ऐसी तितलियों के बारे में जानते हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

ब्लू मॉर्फो तितली : ब्लू मॉर्फो तितली अपने चमकीले नीले पंखों के लिए मशहूर है। यह तितली मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण अमेरिका के गर्म जंगलों में पाई जाती है। इसके पंखों का नीला रंग सूरज की रोशनी में चमकता है, जिससे यह और भी आकर्षक लगती है। ब्लू मॉर्फो तितली का आकार बड़ा होता है और यह लगभग 6 इंच तक फैल सकती है। इसके अलावा यह तितली अपने अनोखे रंग और डिजाइन के कारण बहुत ही खूबसूरत लगती है।

पीकॉक तितली : पीकॉक तितली अपने मोर के समान डिजाइन के कारण जानी जाती है। इसके पंखों पर आंखों जैसे निशान होते हैं, जो इसे एक खास लुक देते हैं। यह तितली यूरोप और एशिया के जंगलों में पाई जाती है और गर्मियों के दौरान सक्रिय रहती है। पीकॉक तितली का रंग गहरा नीला होता है, जिसमें लाल और नारंगी रंग के निशान होते हैं, जो इसे और भी सुंदर बनाते हैं।

मोनार्क तितली : मोनार्क तितली अपने नारंगी और काले रंग के पंखों के कारण बहुत ही आकर्षक लगती है। यह तितली उत्तरी अमेरिका में पाई जाती है और सर्दियों के दौरान मैक्सिको आती है। मोनार्क तितली अपने लंबे सफर के लिए जानी जाती है, जहां वह हजारों किलोमीटर दूर जाकर अपनी नस्ल बढ़ाती है। इसके अलावा यह तितली अपने खूबसूरत रंगों और डिजाइन के कारण भी बहुत लोकप्रिय है।

स्वैलोटेल तितली : स्वैलोटेल तितली अपने लंबे पूंछ वाले पंखों के लिए जानी जाती है, जो इसे एक अनोखा लुक देते हैं। यह तितली दुनियाभर में पाई जाती है, लेकिन इसकी पूंछ वाली प्रजातियां भारत समेत दक्षिण एशिया में अधिक पाई जाती हैं। स्वैलोटेल तितली के पंखों पर नीले, हरे और काले रंग के निशान होते हैं, जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। इसके अलावा यह तितली अपने अनोखे आकार और डिजाइन के कारण भी बहुत सुंदर लगती है।

रेड मॉर्फो तितली : रेड मॉर्फो तितली अपने चमकीले लाल पंखों के कारण मशहूर है। यह तितली मुख्य रूप से मध्य अमेरिका के जंगलों में पाई जाती है और अपने जीवंत रंगों के कारण बहुत आकर्षक लगती है। इसके पंखों का लाल रंग सूरज की रोशनी में चमकता है, जिससे यह और भी खूबसूरत लगती है। रेड मॉर्फो तितली का आकार बड़ा होता है और यह लगभग 4 इंच तक फैल सकती है।(आरएनएस)

रोजाना एक गिलास लीची का जूस पीना है फायदेमंद, जानिए इसके फायदे

लीची का जूस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरा होता है, जो शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। यह विटामिन-सी, विटामिन-बी, पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे खनिजों का अच्छा स्त्रोत है। साथ ही इसमें शरीर को स्वस्थ रखने वाले गुण भी होते हैं। आइए आज हम आपको लीची के जूस के सेवन से मिलने वाले फायदे बताते हैं, जिन्हें जानने के बाद आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने लगेंगे।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है सहायक

लीची का जूस पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। एक शोध के अनुसार, लीची के जूस में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। यह कब्ज, गैस, पेट फूलना और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। लाभ के लिए रोजाना एक गिलास लीची का जूस पिएं और इसे अपने आहार का हिस्सा बनाएं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है मजबूती

लीची का जूस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। एक शोध के अनुसार, विटामिन-सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है और संक्रमण से लड़ने की शक्ति बढ़ा सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें शरीर को स्वस्थ रखने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रख सकते हैं।

वजन घटाने में है प्रभावी

अगर आप बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी लीची का जूस पीना फायदेमंद हो सकता है। इसका कारण है कि इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के अनुसार, लीची का जूस शरीर में चर्बी को कम करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

पानी की कमी से बचाने में है कारगर

गर्मियों में पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन लीची के जूस का सेवन इससे बचाव कर सकता है। इसमें भरपूर मात्रा में पानी मौजूद होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो पसीने के जरिए खोए नमक और खनिजों की कमी को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। (आरएनएस)

जरूरी नहीं सिर्फ फायदा ही करें केले का सेवन!

अच्छी सेहत के लिए अपने खानपान में पोषण से भरपूर आहार को शामिल करना चाहिए। इसके लिए कई लोग अपनी दिनचर्या में केले को शामिल करते हैं। इसमें विटामिन-ए, बी, सी, बी6, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाने का काम करते हैं। इसका सेवन आप स्मूदी, शेक, केक और अन्य विकल्प के तौर पर कर सकते हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि केले का सेवन हमेशा ही फायदा पहुंचाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि जरूरत से ज्यादा कोई भी चीज आपकी सेहत के लिए हानिकारक होती है। केले खाने के नुकसान के बारे में जानकर आप भी इसके सेवन के बारे में जरूर सोचेंगे। आइए जानते हैं केले का जरूरत से ज्यादा सेवन करने पर होने वाले नुकसान के बारे में...

बढ़ सकती है माइग्रेन की दिक्कत

अगर आपको बार-बार माइग्रेन अटैक्स आते हैं तो केला अपनी डाइट से आज ही हटा दें। क्योंकि केले में टायरामाइन नामक पदार्थ पाया जाता है, जिससे माइग्रेन का दर्द बढ़ता है। वहीं, केले के छिलके में गूदे से 10 गुना ज्यादा टायरामाइन पाया जाता है। अगर इसे आप खा भी रहे हों तो इसके छिलके के साथ मौजूद रेशों को भी अच्छे ने निकाल कर खाएं।

पोषक तत्वों में कमी

हमारे शरीर को सही तरीके से काम करने के लिए कई सारे पोषक तत्वों की जरूरत होती है। भले ही केला खाने से आपका पेट फुल रहता हो लेकिन इसकी वजह से आपके शरीर को दूसरे हेल्दी फूड्स को खाने और पचाने के लिए जगह नहीं मिलती। इसी वजह से बहुत से लोगों के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

बढ़ सकता हैं शुगर लेवल

केले का ज्यादा सेवन करने से शरीर में ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है। केले में नेचुरल शुगर होता है जिसके चलते शुगर लेवल बढ़ने की दिक्कत हो सकती है। जिन लोगों को डायबिटीज है उन्हें केला खाने से परहेज़ करना चाहिए।

हो सकती है एलर्जी

अगर आप किसी तरह की एलर्जी की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो आपको केले खाने से बचना चाहिए। क्योंकि केले खाने से आपकी एलर्जी की दिक्कत बढ़ सकती है और आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

हो सकती है कब्ज़

कब्ज की दिक्कत भी आपको केले खाने से हो सकती है। केले में टैनिट एसिड होता है जो पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है। इसलिए जिन लोगों को कब्ज की दिक्कत रहती हो उनको ज्यादा केले खाने से बचना चाहिए। इसके साथ ही केले में फ्रक्टोज भी मौजूद होता है जिसकी वजह से आपको केला खाने से पेट में गैस भी हो सकती है।

बढ़ सकता हैं वजन

केला एक हाई कैलोरी फूड है, जिसका सेवन आपको वजन बढ़ाने में मदद करता है। जो लोग डाइटिंग करना पसंद करते हैं उन लोगों को केले के सेवन से बचना चाहिए। जी हां, केले का सेवन आपके लिए फायदेमंद होता है लेकिन 300 कैलोरी तक यानी के सिर्फ 2 केले। अगर आप इससे ज्यादा का सेवन करते हैं तो ये आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है

बीमार हो सकता हैं दिल

किसी व्यक्ति को अगर हार्ट से सम्बंधित परेशानी है तो उस व्यक्ति को भी केले का सेवन नही करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि केले में पोटेशियम की मात्रा अधिक पाई जाती है जिसकी वजह से हाइपरकेलेमिया होने का खतरा होता है। वहीं केले में स्टार्च की मात्रा भी काफी होती है जिससे आपको दांतो में भी समस्या हो सकती है।

केला में भरपूर मात्रा में विटामिन बी6 होता है। केले का ज्यादा सेवन करने से नर्व्स डैमेज का खतरा बढ़ जाता है। जो लोग रोजाना वर्कआउट करते हैं उन्हें इससे खतरा नहीं लेकिन एक्सरसाइज न करने वालों को ज्यादा केले खाने से बचना चाहिए।

कपड़ों की ऑनलाइन खरीदारी के समय इन पांच बातों का रखें ध्यान

कपड़ों की ऑनलाइन शॉपिंग के कई फायदे हैं। इसमें आपको मनचाही कीमतों पर कपड़ों की बड़ी रेंज मिलने के साथ आपका कीमती समय भी बचाता है। इसी तरह आपके पसंदीदा स्टोर उंगलियों पर होते हैं और डिस्काउंट के साथ कई ऑफर भी मिलते हैं। हालांकि, कई बार इससे जुड़ी कुछ परेशानियां भी आती है, लेकिन चिंता की बात नही हैं। आज हम पांच ऐसी बातें बताएंगे, जिनकी मदद से आप ऑनलाइन शॉपिंग में होने वाली परेशानियों से बच सकते हैं।

अपनी माप का ध्यान रखना है जरूरी

जब आप स्टोर में जाकर कपड़ो की खरीदारी करते हैं तो आपके पास ड्रेसिंग रूम में जाकर उन्हें ट्राई करने का विकल्प होता है, लेकिन ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा संभव नहीं है। वहीं, ऑनलाइन शॉपिंग में सबसे बड़ी परेशानी माप को लेकर होती है, क्योंकि हर एक ब्रांड के कपड़ो का माप अलग होता है। इसलिए ऑनलाइन कोई भी आउटफिट खरीदते समय उसके माप पर खास ध्यान दें और अपनी फिटिंग के अनुसार ही ख्रीदारी करें।

रिव्यू पढ़कर करें निर्णय

अममून वेबसाइट पर दिखाई जाने वाली तस्वीरों से उनमें मौजूद खामियों का पता लगाना मुश्किल होता है। जबकि, इन दिनों कुछ ऑनलाइन कपड़ों में कुछ न कुछ खराबी सामने आ रही है। ऐसे में जरूरी है कि आप जो भी कपड़े खरीदने का मन बना रहे हैं उससे जुड़े रिव्यू जरूर पढ़ लें। इससे आप कपड़े की सही स्थिति जान पाएंगे और ब्लैक मार्केटिंग से भी बच सकेंगे।

सही फैब्रिक का चयन करें

कपड़े की ऑनलाइन खरीदारी करते समय उनके फैब्रिक पर ध्यान देना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका फैब्रिक उनकी शेल्फ लाइफ ही नहीं बल्कि लुक पर भी प्रभाव डालता है। अगर आप कपड़े के जरिए खुद को खास अवसरों पर अलग लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में साटन, जेकक्वार्ड और वेलवेट का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप एक लॉन्ग लास्टिंग कपड़े की तलाश में हैं तो आपके लिए सिल्क, पॉलिएस्टर और कॉटन विकल्प बेहतर होगा।

फिल्टर्स की मदद से खरीदारी करना होगा आसान

आजकल ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर विभिन्न आउटफिट कैटेगेरी के साथ-साथ फिलटर्स भी उपलब्ध होते हैं। इनकी मदद से आपके लिए अपनी पसंद और जरूरत अनुसार कपड़े खरीदना आसान हो सकता है। इन फिल्टर्स में साइज, रंग, ब्रांड, कीमत, डिस्काउंट, रेटिंग और डिलीवरी टाइम के साथ कई विकल्प मिलते हैं। इन चीजों को सलेक्ट करने से आपके लिए ऑनलाइन कपड़े खरीदना बहुत आसान हो जाएगा।

रिटर्न पॉलिसी पर भी ध्यान देना है जरूरी

कई बार लोग ऑनलाइन कपड़े खरीद तो लेते हैं, लेकिन जब वह उनके हाथ में आते हैं तो यह महसूस होता है कि यह वैसा नहीं है, जैसे कि उन्होंने सोचा था। ऐसे में अगर किसी कपड़े पर नो रिटर्न पॉलिसी होगी तो आपके पैसे यूं ही बर्बाद हो जाएंगे। इसलिए रिटर्न पॉलिसी के साथ-साथ एक्सचेंज और डिलीवरी टाइम आदि चीजें भी जरूर देखें। इससे आपको अच्छे कपड़े मिलने के साथ पैसे बर्बाद होने का खतरा भी कम हो जाएगा।

इन फूलों से बनाए जा सकते हैं प्राकृतिक वाटर कलर, पेंटिंग में आएंगे काम

बच्चों के लिए आर्ट और क्राफ्ट में वाटर कलर का इस्तेमाल करना एक मजेदार अनुभव होता है। हालांकि, बाजार में मिलने वाले वाटर कलर में कई बार ऐसे रसायन डाले जाते हैं, जो बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आप उनके लिए अलग-अलग फूलों से प्राकृतिक वाटर कलर तैयार कर सकते हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। आइए 5 ऐसे फूलों के बारे में जानते हैं, जिनसे आप घर पर ही वाटर कलर बना सकते हैं।

गुलाब के फूलों से बनाएं गुलाबी वाटर कलर

गुलाब के फूलों से आप गुलाबी या लाल रंग के वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों को पीस लें और फिर एक कपड़े से छानकर उसका रस निचोड़ लें। इस रस को धूप में थोड़ी देर के लिए सुखाएं और फिर इसमें थोड़ा-सा अरारोट पाउडर मिला दें। इस मिश्रण को ठंडा करके कांच की बोतल में भरकर रखें। इस तरह से आपका जीवंत गुलाबी रंग का वाटर कलर तैयार हो जाएगा।

केसर के फूलों से बनाएं बैंगनी वाटर कलर

केसर भले ही नारंगी रंग का होता हो, लेकिन उसका पुष्प बैंगनी रंग का होता है। आप इसकी मदद से बैंगनी वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए केसर के फूलों की पंखुड़ियों को पीसकर उनका रस निकालें। इस रस को धूप में सुखाकर उसमें अरारोट पाउडर मिला दें। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके कांच की बोतल में भरकर रखें। जब भी पेंटिंग करनी हो तो ब्रश को गीला करें और बैंगनी वाटर कलर में डुबाएं।

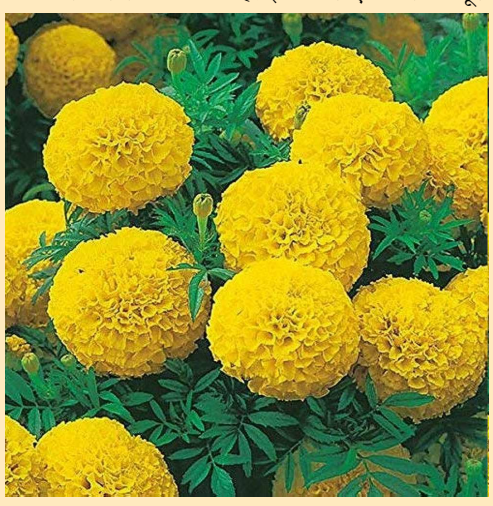

गेंदा फूल से बनाएं पीला वाटर कलर

पूजा-पाठ में गेंदे के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनसे आप पीले रंग का वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए गेंदे के फूलों को पीसकर उनका रस निकाल लें। अब इसे कुछ घंटे तक धूप में सूख जाने दें। इस रस में अरारोट पाउडर मिलाकर इसे ठंडा करें और कांच की बोतल में भरकर रखें। अगर आप नारंगी रंग वाले गेंदे के फूल इस्तेमाल करते हैं तो पीले की जगह नारंगी वाटर कलर बन सकता है।

गुड़हल के फूलों से बनाएं लाल वाटर कलर

लाल रंग का वाटर कलर तैयार करने के लिए आप गुड़हल के फूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए गुड़हल के फूलों की पंखुड़ियों को पीसकर उनका रस निकालें और धूप में सूखने के लिए रख दें। इसके बाद इसमें अरारोट पाउडर मिलाकर ठंडा करें और कांच की बोतल में भरें। गुड़हल के फूल कई अलग-अलग रंगों में भी उपलब्ध रहते हैं, जो विभिन्न रंगों वाले पेंट कलर बनाने के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं।

अपराजिता के फूलों से बनाएं नीला वाटर कलर

अपराजिता के फूल जीवंत नीले रंग के होते हैं, जिनसे लोग नीली चाय बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इस फूल का इस्तेमाल करके आप नीले या बैंगनी रंग के वाटर कलर भी बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपराजिता के फूलों को पीसकर उनका रस निकाल लें। अब इसे कुछ घंटों तक धूप में सुखाएं और इसमें अरारोट भी मिला दें। अब इसे ठंडा होने दें और कांच की बोतल में रखकर स्टोर करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अपने घर पर भी खिला सकते हैं सुंदर कमल के फूल, जानिए इसका तरीका

कमल के फूल का भारतीय संस्कृति में खास महत्व है। यह न केवल भगवान विष्णु का प्रिय होता है, बल्कि कई त्योहारों और पूजा-पाठ में भी इसे अर्पित किया जाता है। अगर आप अपने घर के आंगन या बगीचे में कमल के फूल लगाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। यहां हम आपको कुछ आसान और प्रभावी सुझान देंगे, जिनकी मदद से आप अपने घर पर भी कमल के फूल उगा सकते हैं।

सही जगह चुनें

कमल के पौधे के लिए सबसे पहले सही जगह चुनना जरूरी है। यह पौधा गहरे पानी में ही अच्छी तरह से बढ़ पाता है, इसलिए इसे ऐसे स्थान पर लगाना चाहिए, जहां पानी का स्तर कम से कम 6 इंच हो। अगर आपके पास गहरा तालाब या कुंड है तो वहां कमल के पौधे को लगाना सबसे अच्छा रहता है। इससे पौधे को पर्याप्त पानी मिलेगा और वह अच्छे से विकसित हो सकेगा।

सही मिट्टी का चयन करें

कमल के पौधे के लिए भारी मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसके लिए कीचड़ या गीली मिट्टी का उपयोग करें, जो पानी को अच्छी तरह से रोक सके। इससे पौधे की जड़ें मजबूत होती हैं और वह तेजी से बढ़ता है। अगर आप इसे गमले में उगा रहे हैं तो गमले में भारी मिट्टी डालें और उसे पानी से भर दें, ताकि पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सके।

बीज बोने का तरीका जानें

कमल के बीज बोने के लिए सबसे पहले उन्हें 24 घंटे तक पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद इन्हें गीली मिट्टी में डाल दें। ध्यान रखें कि बीजों को ज्यादा गहरा न बोएं, बस हल्का-सा दबाएं ताकि वे मिट्टी के संपर्क में आ सकें। इसके बाद इसमें नियमित रूप से पानी डालें, ताकि मिट्टी हमेशा गीली रहे। कुछ दिनों बाद ही बीज अंकुरित होने लगेंगे और आपका पौधा बढ़ने लगेगा।

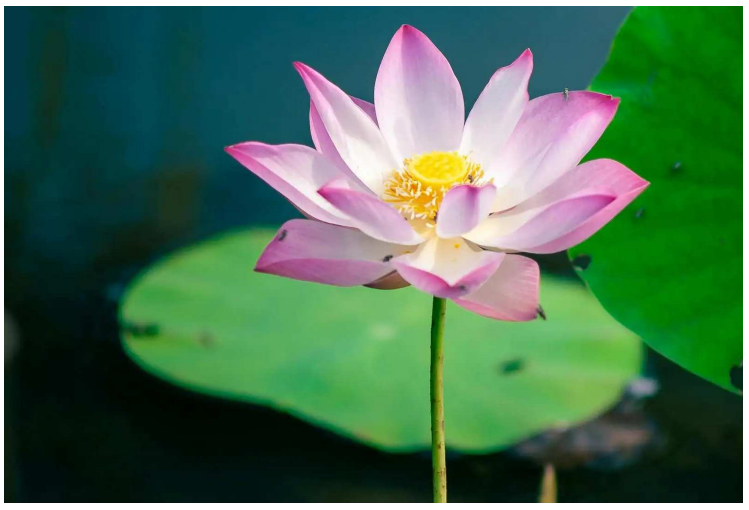

धूप में रखें

कमल के पौधे को बढ़ने के लिए धूप की जरूरत होती है, इसलिए इसे ऐसी जगह पर रखें, जहां दिनभर धूप मिल सके। अगर आप इसे तालाब या कुंड में लगा रहे हैं तो सुनिश्चित करें कि पानी में सूरज की रोशनी अच्छे से पड़े। इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और जल्दी-जल्दी फूल देगा। अगर आपके पास गमला है तो उसे ऐसी जगह रखें, जहां दिनभर हल्की धूप आ सके।

नियमित देखभाल करें

कमल के पौधे की नियमित देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। समय-समय पर उसमें खाद डालें, पानी दें और जड़ों को साफ रखें, ताकि कोई गंदगी या कीड़ा न रहे। इसके अलावा, अगर किसी प्रकार की सड़न या कीड़े लगते हैं तो तुरंत उपाय करें, ताकि पौधा स्वस्थ बना रहे। इस प्रकार इन सरल तरीकों का पालन करके आप अपने घर पर आसानी से सुंदर-सुंदर कमल के फूल उगा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -002

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

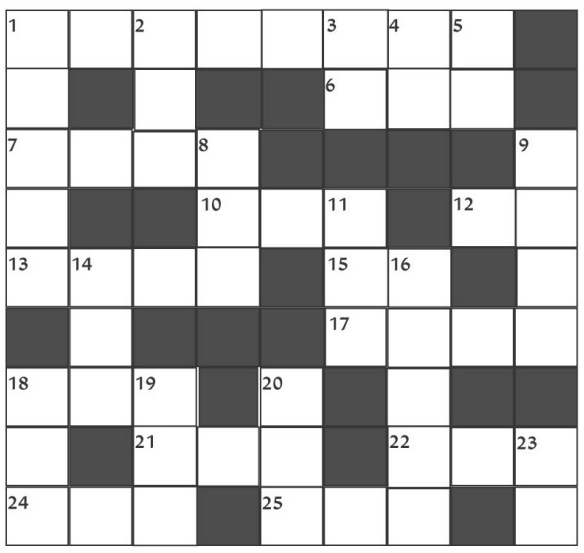

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 01 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी का टीजर रिलीज

उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की बायोपिक बनकर तैयार है। फिल्म अजय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी का टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में योगी आदित्यनाथ के संन्यास लेने, योगी बनने और फिर राजनीति में आने की झलक है। फिल्म के डायलॉग भी दमदार हैं। फिल्म के टीजर में सबसे पहले उत्तराखंड के रहने वाले एक युवा अजय का जीवन दिखाया जाता है। कम उम्र में वह संन्यास लेकर योगी आदित्यनाथ बन जाते हैं। योगी के तौर पर वह उत्तरप्रदेश में बाहुबलियों का जंगलराज देखते हैं। ऐसे में प्रण लेते हैं कि प्रदेश को अपराध मुक्त करेंगे। इसके बाद फिल्म में योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक यात्रा शुरू होती है।

फिल्म के डायलॉग भी दमदार हैं। एक सीन में पुलिस वाला कहता है, आज बाबा नहीं आएंगे। फिर पीछे से योगी आदित्यनाथ कहते हैं, बाबा आते नहीं प्रकट होते हैं।' फिल्म में अनंत जोशी ने योगी आदित्यनाथ का किरदार निभाया है। टीजर में उनके अभिनय को देख दर्शक भी हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा, अनंत, कमाल के एक्टर हैं। उनके अभिनय ने फिल्म के किरदार की यात्रा को लेकर हमारे मन में उत्सुकता जगा दी है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, मैं इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हूं।' कई और यूजर्स ने भी फिल्म के टीजर को सराहा है।

दिनेश लाल यादव, परेश रावल, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा विक्रांत सिंह और सरवर आहूजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म शांतनु गुप्ता की किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर पर आधारित है। रविंद्र गौतम ने योगी आदित्यनाथ की इस बायोपिक को निर्देशित किया है। इस फिल्म का म्यूजिक, बैकग्राउंड स्कोर मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है। यह फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आंखों की गुस्ताखियां में दिखी विक्रांत और शनाया की केमेस्ट्री

विक्रांस मैसी और शनाया कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दोनों के प्यार से लेकर बिछड़ने तक की कहानी दिखाई गई है। दोनों एक दूसरे के साथ सैर करते हैं। एक दूसरे के साथ अच्छा पल बिताते हैं। इस दौरान दोनों को एक दूसरे से प्यार हो जाता है। फिर आखिर में दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है। ट्रेलर की शुरूआत इस तरह से होती है कि शनाया कपूर विक्रांत मैसी को एक थप्पड़ मारती हैं। इस पर विक्रांत कहते हैं तुम पागल हो क्या? इसके बाद शनाया उन्हें सॉरी बोलती हैं। दोनों ट्रेन में एक साथ सफर करते और गाना गाते हुए नजर आते हैं। फिर दोनों एक दूसरे को अपना परिचय देते हैं। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि विक्रांत और शनाया एक दूसरे के साथ घूमते हैं और अजीब-अजीब हरकतें करते हैं। विक्रांत मैसी, शनाया से कहते हैं पागलपन क्या है मैडम। जो चीज लोगों को समझ में न आए, वह पागलपन है। ट्रेलर में जो सबसे अलग चीज दिखाई गई है वह यह है कि विक्रांत सीढ़ी पर चढ़े होते हैं। नीचे शनाया खड़ी होती हैं। ऐसे में विक्रांत मैसी की तौलिया खुल जाती है और शनाया के ऊपर गिर जाती है। इस पर विक्रांत मैसी कहते हैं कि मुझे नहीं पता कि यह कैसे खुल गया। इस पर शनाया कहती हैं कि चाहूं तो आंखें खोल सकती हूं। इसके बाद विक्रांत कहते हैं कि तुम मेरे पास आने के बहाने ढूंढ रही हो। इस पर शनाया कहती हैं कि मैं लड़की हूं। मुझे पास आने के बहाने नहीं चाहिए। मुझे जो चाहिए वह मैं ले लेती हूं।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक दी कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ

मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म ठग लाइफ से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। यह फिल्म 5 जून, 2025 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म के हीरो कमल हासन हैं। हालांकि, वह अपना जादू चलाने में असफल रहे। अब ठग लाइफ ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। कमल के जो प्रशंसक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वो अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

नेटफ्लिक्स इंडिया ने इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, यह मौत और रंगाराया शक्तिवेल के बीच की लड़ाई है, देखना चाहते हैं कि कौन जीतता है? इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख सकते हैं। कमल के अलावा फिल्म ठग लाइफ में सिलंबरासन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, तृषा कृष्णन और अभिरामी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। ठग लाइफ ने बॉक्स ऑफिस पर 48 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

यह ज्ञात है कि लोकप्रिय ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स, जिसने 8 सप्ताह की ओटीटी विंडो के साथ स्ट्रीमिंग अधिकार हासिल किए थे, ने अब इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया है और अब, नवीनतम के अनुसार, फिल्म अब नेटफ्लिक्स प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग कर रही है। जिन लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म नहीं देखी है, वे इसे अभी से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। यह देखना होगा कि दर्शक ओटीटी पर फिल्म को कैसे लेते हैं। फिल्म राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज द्वारा वित्तपोषित है।

लूडो की शूटिंग के दौरान घबरा गई थीं फातिमा सना शेख, बोलीं- छोटी-सी लाइन भी नहीं बोल पाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने फिल्म लूडो की शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सीन में उन्हें अपने को-स्टार राजकुमार राव को डायलॉग शुरू करने का इशारा देना था, ताकि वह अपना मोनोलॉग शुरू कर सकें, लेकिन वह बार-बार अपनी लाइन भूल जाती थीं और सीन को दोबारा शुरू करना पड़ता था।

उन्होंने कहा, एक फिल्म पर एक एक्टर का कंट्रोल बहुत सीमित होता है। एक्टर सिर्फ अपनी एक्टिंग तक ही योगदान दे सकता है। उसके बाद निर्देशक तय करता है कि कौन सा सीन फिल्म में रखा जाएगा और कौन सा नहीं। हमें उस पर कुछ नहीं कहते।

फातिमा ने फिल्म लूडो के उस सीन को याद किया, जिसमें वह बार-बार अपनी लाइन भूल रही थीं। उस दौरान उनके को-स्टार राजकुमार राव ने काफी धैर्य दिखाया। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु ने भी उन्हें शांत और सहज महसूस करवाया, ताकि वह घबराए नहीं।

फातिमा ने कहा, फिल्म लूडो में मेरा और राजकुमार का एक सीन था, जिसमें राजकुमार को मोनोलॉग शुरू करना था। मेरी सिर्फ 3-4 लाइनें थीं, जो उन्हें इशारा देने के लिए थीं, ताकि वो अपना डायलॉग शुरू कर सकें। लेकिन मैं वो छोटी-सी लाइनें भी ठीक से नहीं बोल पा रही थी। इस बात का बहुत बुरा लग रहा था, क्योंकि इससे मैं और ज्यादा घबराने लगी थी और दोबारा लाइनें भूलने लगी। ऐसे में अनुराग बसु और राजकुमार राव चाहते तो नाराज हो सकते थे, लेकिन उन्होंने बड़े ही प्यार से कहा, फैटी, इट्स ओके।

बता दें कि फातिमा का निकनेम फैटी है।

उन्होंने कहा, ऐसे वक्त पर ही समझ में आता है कि दूसरे लोग आपको कितना सपोर्ट करते हैं। अब जब कोई मेरे सामने लाइन भूलता है या गलती करता है, तो मैं नाराज नहीं होती। मैं उसे समझदारी से संभालती हूं।

अवनीत कौर ने ऑरेंज ड्रेस में गिराई बिजली

एक्ट्रेस अवनीत कौर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं। उन्होंने हाल ही में ऑरेंज हॉल्टर नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो चुकी हैं। इस ड्रेस में अवनीत न केवल बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, बल्कि उनका कॉन्फिडेंट अंदाज भी फैंस को दीवाना बना रहा है। पोस्ट के कैप्शन में अवनीत ने लिखा, मुझे मेरे दिमाग से बाहर निकालो ज॥?? और उनके इस हॉट अवतार पर सेलेब्स भी फिदा हो गए। टन्या चौधरी ने लिखा होश उड़ जाना! ?? इसे प्यार करना ?? वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस और फैशन क्वीन कहा।

इस लुक को और खास बना रही है उनकी डीप नेक ड्रेस का फिनिशिंग कट और सटल मेकअप के साथ रेड लिपस्टिक। अवनीत का ये अंदाज उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

अवनीत कौर न सिर्फ अपने अभिनय के लिए बल्कि अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि वो यंग जनरेशन की स्टाइल आइकन हैं। हर नए फोटोशूट के साथ वह फैशन बार को और ऊपर उठा रही हैं। उनकी इस पोस्ट पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं। अवनीत की ये बोल्ड तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वो आने वाले समय में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है

विनीत नारायण

शेर बहुत हिंसक प्राणी है यह हम सब जानते हैं। पिछले हफ्ते हम केन्या के विश्व प्रसिद्ध मसाई मारा वन्य अभ्यारण्य में खुली जीप में घूमते रहे। सबसे रोमांचक क्षण वो थे जब हमारी जीप के तीन तरफ चार-पांच बब्बर शेर और शेरनी बैठे थे।

उनसे हमारी दूरी मात्र 10 फीट थी। वो हमें निहार रहे थे और हम उन्हें। वो तो बेफिक्र होकर अपने जिस्म चाट रहे थे और हमारी रूह कांप रही थी कि कहीं हमला न कर दें। हालांकि फारेस्ट गार्ड ने आस्त किया कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

हम न सिर्फ उन्हें आधे घंटे तक एकटक निहारते रहे, बल्कि जब वो उठ कर चल दिए तो हम भी धीमी गति से उनका पीछा करते हुए चलते रहे। उन्होंने फिर भी कोई उत्तेजना नहीं दिखाई। कमाल है कि जंगल का सबसे हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है, और अपने को सभ्य समाज मानने वाले हम कितने हिंसक हैं कि वाणी से, क्रिया से और विचारों से हमेशा अपने समाज और पर्यावरण के प्रति हिंसा करते रहते हैं।

चाहे हमारे ये क्रियाएं आत्मघाती ही क्यों न हों। केन्या के उस सुनसान जंगल में बैठे-बैठे सोशल मीडिया पर समाचार मिला कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदने का मन बना रहे हैं। उधर, यूक्रेन और रूस का युद्ध बरसों से लगातार तबाही मचा ही रहा है, और इधर अब यह नया मोर्चा तैयार हो रहा है। क्या ये विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदम नहीं हैं? वैसे तो मानव समाज जब से संगठित हुआ होगा तब से युद्ध उसके जीवन का अंग बने होंगे। इतिहास आज तक हुए लाखों युद्धों की गाथाओं से भरा पड़ा है।

फिर भी मेरे मन में ये दार्शनिक प्रश्न आ रहा है कि इन युद्धों की शुरु आत करने वाले इतने जंगली क्यों होते हैं? क्या उन्हें नहीं दिखता कि युद्ध की विभीषिका में कितने बच्चे अनाथ हो जाते हैं, महिलाएं विधवा हो जाती हैं, बने-बनाए घर-मकान, विशाल भवन आदि सब ध्वस्त हो जाते हैं, युद्ध के गोले-बारूद से पर्यावरण जहरीला हो जाता है, अर्थव्यवस्थाएं लड़खड़ा जाती हैं, विकास अवरुद्ध हो जाता है, और आम जनता तबाह हो जाती है। फिर हर युद्ध के बाद युद्ध विराम होता है, और शांति वार्ताएं होती हैं।

अगर हर युद्ध की परिणति शांति वार्ता ही होनी थी तो फिर ये सब विध्वंस क्यों किया गया? हुक्मरानों से यह सवाल पूछने वाला कोई नहीं होता। सवाल पूछना तो दूर प्रायः आम जनता तो अपनी तबाही के लिए जिम्मेदार नेता की ही मुरीद हो जाती है। युद्ध के उन्माद में उसे मसीहा मान लेती है। जैसा जर्मनी की जनता ने किया। जो हिटलर की आत्महत्या के आखिर क्षण तक यही मानती रही कि वो उन्हें हर बला से बचा लेगा। एक अहमक के फितूर ने जर्मनी को तबाह कर दिया।

प्रायः हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निर्माता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा-बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं?

उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून-पसीने की कमाई पर वसूले गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट्र (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है? फिर भी सयुंक्त राष्ट्र के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं।

पर एक फिक्र जरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप को ही लें जिनके स्वागत में हमने पलक-पांवड़े बिछाए थे, वो अपने देश में घुसे अवैध भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में बांध कर वापस भेज रहे हैं जबकि दूसरे देशों के ऐसे लोगों को ससम्मान भेज जा रहा है। ट्रंप वहां रह रहे भारतीयों के वीजा खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। इससे डर कर कितने सफल युवा अमेरिका के अपने सपने को चूर-चूर होते देख घर लौट रहे हैं। दरअसल, ये हुक्मरान आम जनता को चैन से जीने नहीं देना चाहते। उसे हमेशा डरा-दबा कर रखना चाहते हैं।

इन सबसे तो जंगल का राजा शेर कहीं ज्यादा अमन पसंद है, जो अपना पेट भरने के बाद अकारण किसी पर हमला नहीं करता। हम तो उससे कहीं ज्यादा हिंसक हो चुके हैं। फिर भी ठहर कर सही और गलत पर सोचने का समय नहीं है आज हमारे पास। आज जब सूचना क्रांति ने पूरी दुनिया के लोगों को इस तरह जोड़ दिया है कि सैकंडों में सूचनाएं दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती हैं, तब क्या युद्ध और पर्यावरण के विनाश को रोकने के लिए हर देश की जागरूक जनता सोशल मीडिया पर संगठित होकर ऐसे हुक्मरानों पर दबाव नहीं बना सकती जो इस विनाश के कारण बन रहे हैं? दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में कई देशों में विरोध के स्वरों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

पहले ऐसा केवल तानाशाह या सैन्य सरकारों में होता था पर अब कुछ देशों की लोकतांत्रिक सरकारें भी विरोध के स्वरों को दबाने में हिचकती नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम न केवल उस देश की जनता को भोगने पड़ते हैं, बल्कि वो हुक्मरान भी जमीनी सच्चाई से कट जाते हैं, और चाटुकारों से घिर कर आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, जैसा श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर किया था। बाद में उन्हें चुनावों में जनता का कोप भाजन बनना पड़ा था। इसलिए हर लोकतांत्रिक सरकार को विरोध के स्वरों को मुक्त रूप से सामने आने देना चाहिए। इससे उसे अपनी हकीकत जानने का मौका मिलता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

सादिया खतीब हर्षवर्धन राणे के साथ करेंगी रोमांस ?

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी आगामी फिल्म सिला को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ओमंग कुमार ने संभाली है, जिन्हें मैरी कॉम और सरबजीत जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। सिला में हर्षवर्धन की जोड़ी अभिनेत्री सादिया खतीब के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर सादिया हैं कौन।

सादिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 18 सितंबर, 1997 को जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में हुआ था। सादिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। हालांकि, उन्हें बचपन से अभिनय में रुचि थी। सादिया ने फिल्म शिकारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी।

सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में सादिया के काम को काफी पसंद किया गया था। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 अगस्त, 2022 को दर्शकों के बीच आई थी।

सादिया आखिरी बार फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ काम किया था। शिवम नायर इस फिल्म के निर्देशक हैं।

सू- दोकू क्र.002

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.01 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

क्या आधुनिक इंटरनेट दूरसंचार संक्रान्ति से अब टेलीविजन युग समाप्त होजाएगा ?

अजय दीक्षित

एक समय ऐसा भी रहा है कि जब लोग चित्रहार, फिल्म, नाटक, सीरियल देखने दूसरों के घर टेलीविजन देखने जाते थे मगर आज के एंड्रॉयड फोन ने इंटरनेट के माध्यम से इस महान आविष्कार टेलीविजन युग को समाप्त कर दिया है। जॉन बेयर्ड ने टेलीविजन का आविष्कार कर ते हुए यह नहीं सोचा था केवल 100 वर्षों में इस टेलीविजन की प्रासंगिकता समाप्त हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि जॉन बेयर्ड ने 1920 में इसे थ्योरिटिकल बनाया था।1927 में इस टेलीविजन के माध्यम एक मूवी प्रदर्शित की।

भारत में टेलीविजन युग 1964 में महानगरों में शुरू हुआ लेकिन 1980 में पूरे भारत में इसका आभास हुआ मगर 1984 टेलीविजन का प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के कस्बों में फैल गया। शनै शनै इसकी गुणवत्ता में रंग रूप में सुधार हुआ। लेकिन अब इंटरनेट युग में स्मार्ट मोबाइल तकनीक ने इसकी खत्म करने की कहानी लिख दी है।

भारत में साठ के दशक में रेडियो ही एक ऐसा माध्यम था जो लोगों को दूसरी दुनिया से जोड़ता था। सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आकाशवाणी केंद्र सरकार के सूचना एवं तकनीकी मंत्रालय के अधीन आता था।रेडियो पर ही खबरें प्रसारित की जाती थीं और वे अधिकतर केंद्र सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री तक सीमित थीं। लेकिन 90 के दशक में टेलीविजन ने दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारण शुरू किया।पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्री रहते उदारीकरण नीति के तहत स्टार टीवी,जी टीवी,आजतक, एनडीटीवी एबीपी ने प्रवेश किया।तो सरकार के साथ विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका मिला ।20 वी सदी में मोबाइल में स्मार्ट फोन नहीं था। लेकिन 21 वी सदी दूसरे दशक में जापान ने एंड्रॉयड फोन से तहलका मचा दिया। वर्तमान युग में इस तकनीकी कौशल ने टेलीविजन युग को समाप्त करने का ऐलान कर दिया है।

एंड्रॉयड फोन पर यूट्यूब, मेक्स प्लेयर, फेसबुक,इंस्टाग्राम,आदि ने और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म ने जैसे मनुष्य के हाथ बहुदेशीय टेलीविजन दे दिया हैायहां तक कि प्रिंट मीडिया को भी खासा नुकसान पहुंचा दिया है।इस स्मार्ट फोन पर इंटरनेट के माध्यम से दुनिया का कोई भी न्यूज चैनल देख सकते हैं।कोई भी सीधा प्रसारण,सभा, राजनीतिक कार्यक्रम देख सकते हैं यहां तक कि वर्चुअल कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

एंड्रॉयड फोन ने पेन पेंसिल, पार्ष,किताब, ड्राइंग, मैप,सभी को गहरा झटका दिया है।एक अध्ययन के मुताबिक अब नए टेलीविजन सेट नहीं खरीदे जा रहे हैं। टाटास्काई,एयरटेल, डीटीएच बन्द होने की कगार पर है। बताया जाता है कि अमेरिका, यूरोपीय देशों में भी यही स्थिति है।अब बीबीसी, सीएनएन जैसे बड़े चैनल और अखबारों ने अपने ऐप लांच कर दिए हैं ताकि व्यूवर क्षमता को कंट्रोल किया जा सके।

यूरोपीय देशों में टेलीविजन युग 10 वर्ष पहले समाप्त हो गया।अब फुटबाल मैच का सीधा प्रसारण भी एंड्रॉयड फोन पर ही हो रहा है।

कार का शीशा तोडकर हजारों रुपये से भरा पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कार का शीशा तोडकर वहां से हजारों रूपये से भरा पर्स चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगांण गांव बडकोट निवासी श्वेता ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी कार सत्यनारायण मंदिर के सामने खडी की थी। थोडी देर बाद जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी कार का शीशा टूटा हुआ था अन्दर से पर्स गायब था। पर्स में उसका मंगलसूत्र, 16 हजार रूपये नगदी, मोबाइल फोन व आधार कार्ड रखा हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दून अस्पताल ओपीडी के पास से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहब्बेवाला निवासी मोहम्मद वसीम ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून अस्पताल आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल ओपीडी के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

निर्माणाधीन भवन से तार के बंडल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने निर्माणाधीन भवन से तार के बंडल चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारागार परिसर सुद्धोवाला निवासी प्रदीप नेगी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सुद्धोवाला पेट्रोल पम्प के पास उसके भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। आज जब वह वहां पहुंचा तो उसने देखा कि उसके निर्माणाधीन भवन से तार के 10 से 12 बंडल गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डम्पर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। डम्पर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी अपरोज अपनी मोटरसाईकिल से अजबपुर कलां से बाईपास की तरफ जा रहा था तभी उसको एक डम्पर ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माहरा के जन्मदिन पर कांग्रेस ने लगाया रक्त दान शिविर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा के जन्मदिवस पर कांग्रेसियों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा के जन्म दिवस के अवसर पर आज पार्टी मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने केक काटा व मिष्ठान वितरण किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष धस्माना ने इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष करण

माहरा की दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि करण माहरा ने जिस प्रकार से राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अंदर जोश भरने का काम किया और पूरे प्रदेश में संगठन का नेतृत्व किया वह कबीले तारीफ है और सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की यह प्रार्थना है परम पिता परमेश्वर से की माहरा के नेतृत्व में 2027 में विधानसभा चुनावों उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने की व इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मडॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी, जगदीश धीमान, राजीव महर्षि, विकास नेगी, नवीन जोशी, दिनेश कौशल, गिरिराज किशोर, पूनम कंडारी, मदन कोहली, आनंद सिंह पुंडीर, कमर सिद्दीकी, विशाल मौर्य, राम गोपाल वर्मा, संजय थापा, सीपी सिंह, मदन लाल गगन घागट, ललित भद्री समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

दून पुलिस का अभियान 'ऑपरेशन कालनेमि', 23 ढोंगी बाबा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस का अभियान ऑपरेशन कालनेमि के दूसरे दिन पुलिस ने 23 छद्म भेषधारी ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां आमजन को भ्रमित कर उनकी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर ठगी करने वाले ढोंगी बाबाओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के लिए एसएसपी अजय सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है। देवभूमि में धर्म की आड में लोगो की भावनाओं व आस्थाओं से खिलवाड करते हुए उनके साथ धोखाधडी करने वाले छद्म भेषधारियों के विरूद्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के निर्देशों पर 'ऑपरेशन कालनेमि' प्रारम्भ किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ऐसे व्यक्यिों, जो साधु-संतों का भेष धारण कर लोगो को विशेषकर महिलाओं व युवाओ को भ्रमित कर उनकी व्यक्तिगत अथवा घरेलु समस्याओं का निदान करने का प्रलोभन देते हुए उन्हें वशीभूत करते हुए उनके साथ ठगी की घटनाओ को अजांम देते है, को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये गये है, अभियान के तहत आज विभिन्न थाना

क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए साधु-संतों के भेष में घूम रहे 23 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार ढोंगी बाबाओ में 10 व्यक्ति अन्य राज्यो के रहने वाले हैं। पकडे गये ढोगियों ने अपने नाम सरदारों पुत्र सुखलाल निवासी मद्रासी कॉलोनी रेस्ट कैंप कोतवाली नगर देहरादून, लखनपाल सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी गोविंदगढ़ गुरुद्वारा गली थाना कैंट, शिव कुमार पुत्र बेचन लाल निवासी नई बस्ती सी ब्लॉक रेस कोर्स थाना नेहरू कॉलोनी, मनोज कुमार जोशी पुत्र शिवकुमार जोशी निवासी धामपुर हुसैनपुर जिला बिजनौर, गुरदास सिंह पुत्र किशोरी सिंह निवासी कवाली रोड कोतवाली नगर, माताफेर गोस्वामी पुत्र रामचंद्र निवासी गोल मार्केट मोहब्बेवाला धार वाली कोतवाली पटेल नगर, सोहन सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी कावली रोड नई बस्ती, अभिलाख सिंह पुत्र बानजीत सिंह निवासी माजरा चांदीपुर जनपद हरिद्वार, महेंद्र पुत्र स्वर्गीय कालू निवासी नूरपुर जनपद बिजनौर, उत्तर प्रदेश हाल पता निकट साई मंदिर राजपुर रोड, वेदप्रकाश पुत्र कोमल सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर थाना कोतवाली हाथरस जिला हाथरस, मोहन गिरि पुत्र नत्थु सिंह निवासी मौहल्ला चमारान थाना कीरतपुर जिला बिजनौर, संतोष कुमार पुत्र सोबरन सिंह निवासी नसीरपुर मैनपुरी उत्तर प्रदेश, सुल्तान नाथ पुत्र जोगिंदर नाथ भानियावाला सपेरा बस्ती देहरादून, मगन पंडित पुत्र ज्योतिष पंडित निवासी कोलकाता बंगाल, .हरिप्रसाद पुत्र महाप्रसाद निवासी चंद्रेश्वर नगर ऋषिकेश, राजेंद्र कुमार पुत्र प्रगीलाल सिमली लक्सर हरिद्वार, रघुनाथ साहनी पुत्र राम प्रसाद साहनी दरभंगा बिहार, अनिल थापा पुत्र वीर बहादुर थापा निवासी मोथरावाला, गुलाब चंद्र विश्वास पुत्र ओ बी नाथ चंद्र विश्वास कोलकाता बंगाल, गुलशन नाथ पुत्र फूलनाथ निवासी शक्ति नगर बिजली घर पट्टी चतर गढ़ सिरसा हरियाणा, संदीप नाथ पुत्र महावीर निवासी रटा खेरा कुता बढ़ सिरसा हरियाणा, पामती नाथ पुत्र जागर नाथ निवासी लक्ष्मीपुर चोरखाला थाना सहसपुर, बल्लू पुत्र टिपरनाथ निवासी लक्ष्मीपुर चोरखाला थाना सहसपुर बताया।

'पालतू कुत्तों के लाईसेंस की जांच की मांग'

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने मेयर को ज्ञापन देकर पालतू कुत्तों के लाइसेंस की जांच की मांग की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति ने नगर निगम मेयर सौरभ थपलियाल को एक ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में समिति ने कहा नेताजी संघर्ष समिति जनहित में कुछ मांगे आपके समक्ष प्रस्तुत कर रही है। नगर निगम को चाहिए कि वह शहर में पालतू कुत्तों की जांच कर उनके लाइसेंस चेक करे अगर नहीं बने हैं तो बनाए जाना चाहिए। जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि हो सके तथा लोगों को रेबिज का खतरा न रहे। जिनके किराएदार हैं वह किराएदारी नगर निगम में चढ़वाएं ताकि नगर निगम की आय में वृद्धि हो। ठेली, रिक्शा चालकों के लाइसेंस बनाते समय उनके दस्तावेज चेक करें ताकि प्रशासन को पता चल सके कि वह कहां से हैं। शहर में लावारिस पशुओं को पकड़ कर उनके खाने पीने रहने की सही व्यवस्था करें। बरसात के मौसम को देखते हुए प्रत्येक वार्ड में डी टी सी का पाउडर छिड़काव कराएं ताकि डेंगू जैसी बीमारियां न फैलें। समिति उम्मीद करती है कि निगम प्रशासन इस संबंध में उचित कार्रवाई करेंगा। ज्ञापन देने वालों मे समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, महासचिव आरिफ वारसी, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल, पारस यादव, सुशील विरवानी, अजय कुमार आदि शामिल रहे।

'तीन की जगह एक खटारा एम्बुलेंस है मुनस्यारी में तैनात'

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। आपदाकाल में 108 एंबुलेंस सेवा को ठीक किए जाने तथा सीमांत में अल्ट्रासाउंड का कैंप लगाया जाने को लेकर आज उप जिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा गया। उन्होंने कहा कि मदकोट से गूंजी 108 एंबुलेंस को भेजा जाना इस क्षेत्र के रोगियों के साथ अन्याय है। एक सप्ताह के भीतर एंबुलेंस तथा अल्ट्रासाउंड की समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

आपदा की दृष्टि से अति संवेदनशील विकासखंड मुनस्यारी में में 108 एंबुलेंस सेवा का बुरा हाल है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुनस्यारी का एंबुलेंस खराब होकर ठप पड़ा हुआ है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदकोट के एंबुलेंस को गूंजी भेज दिया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तेजम के एम्बुलेंस में टायर तक नहीं है। टायर मांग कर इस एंबुलेंस को चलाया जा रहा है। तकनीकी रूप से एंबुलेंस की स्थिति भी अच्छी नहीं है। विकासखंड मुनस्यारी के 55000 हजार की जनसंख्या के लिए मात्र एक एंबुलेंस तैनात है। जिसकी स्थिति बेहद खराब है।

6 माह से मुनस्यारी में अल्ट्रासाउंड का कैंप आयोजित नहीं किया गया है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ अन्य रोगियों को इस आपद काल में अल्ट्रासाउंड करने के लिए यहां से 135 किलोमीटर दूर पिथौरागढ़ जाना पड़ रहा है। जहां एक अल्ट्रासाउंड के लिए तीन दिन का समय लग रहा है।

निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज उप जिलाधिकारी वैभव कांडपाल के माध्यम से जिलाधिकारी को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर मुनस्यारी में नया एम्बुलेंस तथा गूंजी भेजा गया एंबुलेंस वापस मदकोट में तैनात किया जाए। तेजम के एंबुलेंस को तकनीकी रूप से दुरुस्त करते हुए तत्काल तेजम में तैनात किया जाए।

उन्होंने कहा कि अल्ट्रासाउंड की तिथि तत्काल घोषित किया जाए। अगर इन मांगों पर जिला प्रशासन की ओर से तत्काल कोई समाधान नहीं निकाला जाता है, तो एक सप्ताह के बाद क्षेत्र में उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

तिब्बती मार्केट, परेड ग्राउंड व कोरोनेशन में ऑटोमेटिक पार्किंग बनकर तैयार

संवाददाता

देहरादून। देहरादून में जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड के विजन को साकार करते हुए ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग योजना को मूर्त रूप दिया है। जिला चिकित्सालय कोरोनेशन, तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में तैयार की गई इन ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग सुविधाओं का जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लोकार्पण किया जाएगा।

कोरोनेशन अस्पताल में ऑटोमेटिक पार्किंग शुरू हो चुकी है। यहां पर अस्पताल स्टाफ के वाहन स्वचालित रूप से पार्क हो रहे हैं। इससे मरीजों और तीमारदारों के लिए भू-स्तरीय पार्किंग में अतिरिक्त जगह की सुविधा मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा परेड ग्राउंड में 96, तिब्बती मार्केट में 132 और कोरोनेशन में 18 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग बहुत ही छोटे जगह पर निर्मित की गई है। इसकी खास बात ये भी है कि इन पार्किंग को अन्य स्थानों पर भी शिफ्ट किया जा सकता है। टेस्टिंग और ट्रायल कमीशनिंग पूरी होने के बाद ये पार्किंग शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने में कारगर साबित होंगी।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पार्किंग के संचालन के लिए दो कुशल तकनीकी ऑपरेटर की तैनाती के साथ ही पार्किंग में वाहनों को किसी प्रकार का नुकसान होने पर पर बीमा कवर की सुविधा भी प्रदान की है। जिला प्रशासन का यह प्रयोग भविष्य में अन्य स्थानों पर ऐसी पार्किंग विकसित करने की दिशा में एक सफल कदम माना जा रहा है। इस अभिनव पहल से शहर में पार्किंग सुविधा में इजाफा के साथ यातायात दबाव कम होगा।

जिलाधिकारी की अगुवाई में जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के आधुनिक उत्तराखंड विजन को साकार करने में जुटा है। राज्य में निर्मित पहली ऑटोमेटिक मैकेनिकल पार्किंग कोरोनेशन चिकित्सालय को हैंडओवर कर दी गई। तिब्बती मार्केट और परेड ग्राउंड में भी ऑटोमेटिक पार्किंग तैयार हो गई है। इन तीनों पार्किंग को मुख्यमंत्री जल्द लोकार्पण कर जनमानस को समर्पित करेंगे।

डीएम का यह प्रयोग शहर में यातायात व्यवस्था में कारगर सिद्ध होगा। जिला प्रशासन शहर के अन्य स्थानों पर भी ऑटोमैटिक पार्किंग निर्माण की संभावनाओं का तलाश रहा है। शहर में छोटे स्थान पर बनने वाली ऐसी मल्टी लेवल ऑटोमेटिक पार्किंग से आम जनमानस को सुविधा मिलने के साथ यातायात भी सुगम होगा।

45 बहरूपी साधू गिरफ्तार

ऑपरेशन कालनेमी उतारेगा ढोंगियों के मुखौटे: एसएसपी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ढोंगी साधुओं के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन कालनेमी के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 45 बेहरूपी साधुओं को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी के अनुसार ऑपरेशन कालनेमी के तहत हरिद्वार पुलिस द्वारा ऐसे ढोगी बाबा जो साधु संतो का वेश धारण कर जनता की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड करते हैं, को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में देहात क्षेत्र की टीम द्वारा कलियर क्षेत्र से 6 ढोंगी साधुओं को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। वहीं शहर क्षेत्र की टीम ने ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए कोतवाली नगर से 13 श्यामपुर से 18 व कनखल स 8 ढोंगी साधुओं को गिरफ्तार किया गया है।

27 पेटी हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनाव के चलते वोटरों को लुभाने के लिए लायी जा रही हरियाणा मार्का 27 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एसटीएफ ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर द्वारा इस मामले की जानकारी देते हुए बताया गया कि एसटीएफ कार्यालय को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि आगामी उत्तराखंड पंचायत चुनाव में हरियाणा-पंजाब से काफी बड़ी मात्रा में अवैध शराब उत्तराखंड में लाई जा सकती है इसके दृष्टिगत एसटीएफ की एक टीम को विशेष रूप से इस पर निगरानी रखने हेतू नियुक्त किया गया है जिसके फलस्वरुप देर रात्रि एसटीएफ की टीम द्वारा आशारोड़ी चेकिंग बैरियर,थाना क्लेमेंटटाउन क्षेत्र से थाना क्लेमटाउन पुलिस के साथ संयुक्त चेकिंग में एक कार की डिग्गी से 322 बोटल करीब 27 पेटी अंग्रेजी शराब रॉयल स्टैग चंडीगढ़ मार्क बरामद करते हुए दो व्यक्तियो गिरफ्तार किया गया। जिसने बताया कि पकड़ी गई शराब को चंडीगढ़ से खरीद कर इसकी सप्लाई चूना भट्टा रायपुर क्षेत्र में करने जा रहा था। एसटीएफ को पूछताछ में इस पूरे नेटवर्क की काफी जानकारियां मिली है जिन पर आगे कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवादा निवासी ललित सिंह अपनी स्कूटी से आईएसबीटी से घर की तरफ जा रहा था जब वह मुस्कान चौक के पास पहुंचा तभी उसको एक ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे ललित सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी थी। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने होटल व रेस्टोरेंट में चलाया चैकिंग अभियान

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने होटल, रेस्टोरेंट में चैकिंग अभियान चलाते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां होटल,ढाबों व रेस्टोरेंट पर संदिग्ध/अवैध /अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के नेतृत्व में प्रत्येक थाना स्तर पर टीम गठित कर होटल/रेस्टोरेंट की चैकिंग की गयी। होटल/रेस्टोरेंट संचालकों को सुरक्षा की दृष्टि से होटल पर रुकने वाले लोगों के रिकार्ड रखने, सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने तथा होटल/ढाबों पर रेट लिस्ट चस्पा करने सम्बन्धी जरुरी हिदायतें दी गयी। संदिग्ध व्यक्ति व गतिविधि की सूचना तुरन्त पुलिस को देने हेतु बताया गया।

पागल बनकर घूम रहा हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले की आड़ में पागल बनकर घूम रहे एक जिलाबदर बदमाश को वारदात करने से पहले ही थाना जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार छूरा भी बरामद हुआ है। आरोपी उत्तरप्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना जीआरपी लक्सर क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन रूड़की में पुलिस गश्त के दौरान प्लेटफार्म पर बैठा एक व्यक्ति संदिग्ध नजर आया। जिससे पूछताछ करने पर वह कोई भी सही जानकारी पुलिस को नहीं दे रहा था साथ में कोई न होने पर पुलिस ने जब आसपास पूछताछ की तो लोगों ने बताया

●जिलाबदर होने के साथ ही कई बार जा चुका है जेल

कि कई घंटों से यहां वहां देखते हुए पागल जैसी हरकते कर रहा है लेकिन चौकन्नी जीआरपी पुलिस द्वारा उसको लगातार वॉच किया गया और मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक खतरनाक नाजायज छुरा बरामद हुआ। जिस पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना नाम अभिषेक शुक्ला पुत्र दयाशंकर शुक्ला निवासी-वार्ड नं. 8 कुम्हारन टोला गोला थाना गोला गोकर्णनाथ जनपद लखीमपुर खीरी उ.प्र. बताया। जो अपनी पहचान छुपाते हुये पागल होने का नाटक कर रहा था, से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह पहले भी कई बार जेल जा चुका है। इस पर पुलिस ने जब उत्तर प्रदेश पुलिस से संपर्क किया गया तो वहां से जानकारी मिली कि आरोपी अभिषेक शुक्ला के खिलाफ जनपद लखीमपुर-खीरी के थाना गोला में संगीन धाराओं मे विभिन्न मुकदमे दर्ज है साथ ही आरोपी वहां का हिस्ट्रीशीटर बदमाश होने के साथ-साथ वहां से जिलाबदर भी है। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।